RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 28 SEPTEMBER TO 04 OCTOBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 03 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

बीपीसीएल ने कच्चा तेल खरीदने के लिए पेट्रोबास के साथ किया करार Page 2

सरकार जीएसटी के तहत कुछ मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर लाने पर कर रही विचार Page 3

भारत की सबसे सुरक्षित कार 'एक' साल की हुई Page 7

editoria!

निवेश वृद्धि की आशा

बीते वर्षों के सुधार, अर्थव्यवस्था में उत्साहजनक वृद्धि तथा बढ़ते निर्यात ने वैश्विक निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है. वे भी भारतीय विकास की यात्रा में सहभागी होना चाहते हैं. वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचलों के कारण वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में छह प्रतिशत की गिरावट के बावजूद आशा जतायी जा रही है कि इस वर्ष निवेश का आंकड़ा 100 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच जायेगा. उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2021-22 में 83.6 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी भारत में निवेशित हुई थी, जो अब तक का सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार यह निवेश 101 देशों से आया था. इसका अर्थ यह है कि कई देशों के निवेशक भारत को एक विश्वस्त निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं. कोरोना महामारी तथा भू-राजनीतिक कारकों ने आपूर्ति श्रृंखला पर जो नकारात्मक असर डाला है, उससे कई उद्योग चीन के अलावा अन्य देशों का रुख कर रहे हैं, जिनमें भारत भी है. भारत एक बड़ा बाजार तो पहले से ही है, लेकिन आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के तहत आर्थिक विकास की दिशा में एक नया आयाम जोड़ा गया है. इसके तहत भारतीय बाजार के लिए तो निर्माण और उत्पादन करना ही है, अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए भी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने हैं. भारत सरकार ने पिछले साल निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अन्य योजनाओं के साथ उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन योजना भी शुरू की है. इसके अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सरकार की ओर से सहयोग मुहैया कराया जा रहा है. इस प्रक्रिया में अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित वस्तुएं और मशीनरी भी शामिल हैं. पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड निर्यात भी हुआ था, जिसके इस वर्ष 500 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है. बीते वर्षों के सुधार, अर्थव्यवस्था में उत्साहजनक वृद्धि तथा बढ़ते निर्यात ने वैश्विक निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है. वे भी भारतीय विकास की यात्रा में सहभागी होना चाहते हैं. आज भारत में रिजर्व बैंक या भारत सरकार से बिना किसी स्वीकृति या मामूली आवेदन से लगभग सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश किया जा सकता है. कुछ ही क्षेत्र ऐसे हैं, जहां विशेष अनुमति की आवश्यकता पड़ती है. कुछ देशों से आने वाले निवेश पर भी यह नियम लागू होता है. ऐसा वित्तीय और राष्ट्रीय सुरक्षा के कारण किया जाता है, पर आम तौर पर ऐसी बाधा नहीं है. जाहिर है कि निवेशकों को अनावश्यक भागदौड़ से तो छुटकारा मिलता ही है, उनके खर्च में भी कमी आ जाती है. निवेशक चूंकि अपनी पूंजी लगाता है, तो वह सबसे पहले नियमों और कराधान में पारदर्शिता एवं स्थायित्व को लेकर निश्चिंत होना चाहता है.

रूस-यूक्रेन युद्ध से तेल कीमतों में तेजी भारत की कमर तोड़ रही है: जयशंकर

वाशिंगटन। एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में तेजी से भारत काफी चिंतित है और यह 'हमारी कमर तोड़ रही है।'अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बातचीत के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने मंगलवार को कहा कि विकासशील देशों में ऊर्जा जरूरतों के समाधान को लेकर काफी चिंता है। यूक्रेन युद्ध के बारे में उन्होंने कहा, ''हमने निजी तौर पर, सार्वजनिक रूप से और लगातार यह कहा है कि यह झड़प किसी के हित में नहीं है। मामले के समाधान का बेहतर तरीका बातचीत और कूटनीति है।''

रूस से आने वाले तेल की कीमत सीमा तय किये जाने की जी-7 देशों की पहल के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, ''हम तेल के दाम को लेकर काफी चिंतित हैं। हमारी अर्थव्यवस्था का आकार 2,000 डॉलर प्रति व्यक्ति है, लेकिन जब तेल की कीमत हमारी कमर तोड़ रही है, तब यह हमारे लिये बड़ी चिंता की बात है।'' उन्होंने कहा, ''कीमत सीमा के बारे में हमारी सुबह में बातचीत हुई है। इस विषय पर विशेषज्ञ लोग काम कर रहे हैं...।''

विदेश मंत्री ने कहा, ''पिछले कुछ महीनों से ऊर्जा बाजार काफी दबाव में हैं। वैश्विक स्तर पर विकासशील और अल्पविकसित देशों के लिये न केवल बढ़ती कीमतों को लेकर बल्कि उपलब्धता के मामले में भी सीमित ऊर्जा के लिये प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है।'' जयशंकर ने कहा, ''अभी हमारी चिंता यह है कि ऊर्जा बाजार पहले से ही दबाव में है, यह कम होना चाहिए। हम किसी भी स्थिति का स्पष्ट रूप से मूल्यांकन करेंगे कि यह वैश्विक स्तर पर दक्षिण (विकासशील और अल्पविकसित देश) में हमें और अन्य देशों को कैसे प्रभावित करता है। विकासशील देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा की जरूरत के समाधान को लेकर काफी चिंता है।'' भारत का रूस से तेल आयात अप्रैल से 50 गुना से अधिक बढ़ा है और अब विदेशों से लिये जाने वाले कुल तेल में इसकी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हो गयी है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत के आयातित तेल में रूस की हिस्सेदारी केवल 0.2 प्रतिशत थी। विकसित देश यूक्रेन पर हमले के बाद धीरे-धीरे रूस से ऊर्जा खरीद कम कर रहे हैं। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से रूस पर बहुत कम प्रभाव पड़ा है। इसको देखते हुए जी - 7 देशों और यूरोपीय संघ ने रूस के राजस्व को सीमित करने के लिये वहां के कच्चे तेल और परिष्कृत उत्पादों के लिये मूल्य सीमा तय करने का प्रस्ताव किया है। अमेरिका ने भारत से रूसी तेल की मूल्य सीमा लगाने वाले देशों के गठबंधन में शामिल होने को कहा है। भारत का कहना है कि वह कोई भी निर्णय लेने से पहले सावधानीपूर्वक पूरे मामले पर विचार करेगा। ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका, यूरोप और दुनिया के अन्य देशों में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये रात-दिन काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हम रूसी तेल के लिये मूल्य सीमा लगाने पर काम कर रहे हैं...यह निश्चित रूप से रूस के अतिरिक्त राजस्व को प्रभावित करेगा जिसका उपयोग वह यूक्रेन के खिलाफ कर रहा है...।'' भारत के रूस से सैन्य उपकरण खरीदे जाने के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, ''हम कहां से अपने सैन्य उपकण प्राप्त करते हैं, वह कोई मुद्दा नहीं है। यह एक नया मुद्दा बन गया है जो विशेष रूप से भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण है।'' उन्होंने कहा, ''हम दुनियाभर में संभावना देखते हैं। हम प्रौद्योगिकी की गुणवत्ता, क्षमताओं की गुणवत्ता और उन शर्तों को देखते हैं जिनपर विशेष उपकरण पेश किये जाते हैं। हम अपने राष्ट्र हित के आधार पर विकल्प चुनते हैं।''

प्रदेश में औद्योगिक विकास की उडान ऊंचाईयों पर

सिस्टमेटिक निवेश पर फोकस कर रहे उद्योग आयुक्त श्री नरहरि

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मप्र में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित किए गए है। कोरोना काल में बंद बडी आथिर्क गतिविधियों के सामान्य होने के साथ ही औद्योगिक विकास को व्यवस्थित करने की जिम्मेदार स्वंय उद्योग आयुक्त पी नरहरि ने ली है। उन्होनें अपने प्रयासों को जमीन पर लाने और क्लस्टर बेस्ड़ सिस्टमैटिक निवेश को बढावा देने की दिशा में कार्य किया है। प्रदेश शासन की इंडस्ट्रीयल पॉलिसी में हुए सकारात्मक बदलाव का असर यह हुआ है कि अब शासन के साथ ही निजी निवेशकों द्वारा भी बडे स्तर पर इंडस्ट्रीयल पार्क स्थापित किए जा रहे है। प्रदेश के उद्योग विभाग के अथक प्रयासों से प्रदेश में एक साथ कई औद्योगिक संरचनाओं की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत आज औद्योगिक विकास के क्षेत्र में इंदौर जिले को बड़ी सौगात मिली है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

News यू केन USE

कमजोर मांग से कच्चे तेल के वायदा भाव टूटे

नयी दिल्ली। एजेंसी

कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों के अपने सौदों घटाये जाने से वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमत 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,370 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल के अक्टूबर महीने में डिलिवरी वाले अनुबंध की कीमत 103 रुपये या 1.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,370 रुपये प्रति बैरल रह गयी। इसमें 9,747 लॉट का कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 2.13 प्रतिशत गिरकर 76.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। ब्रेंट कच्चे तेल का दाम 2.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.53 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

कार्ल-गुस्ताफ 'वेपन्स सिस्टम' के लिए भारत में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी साब

नयी दिल्ली। एजेंसी

स्वीडन की रक्षा उपकरण विनिर्माता कंपनी साब अत्याधुनिक हथियार प्रणाली कार्ल-गुस्ताफ एम4 के लिए भारत में कारखाना स्थापित करेगी। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी और बताया कि स्वीडन के बाहर कार्ल-गुस्ताफ एम4 का यह पहला विनिर्माण संयंत्र होगा। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र भारतीय सशस्त्र बलों के लिए हथियार प्रणालियों के उत्पादन के साथ-साथ दुनिया भर के उपयोगकर्ताओं के लिए कलपुर्जों की आपूर्ति करेगा।जोहानसन ने संवादाताओं के साथ बातचीत में कहा कि नयी कंपनी साब एफएफवी इंडिया भारत में अत्याधुनिक हथियार की नवीनतम क्षेत्री का उत्पादन करेगी। यह कंपनी फिलहाल पंजीकरण की प्रक्रिया में है। जोहानसन ने कहा साब भारतीय उप-आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी साझेदारी करेगी और संयंत्र में 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। नए उद्यम में निवेश के बारे में पूछे जाने पर जोहानसन ने कहा कि साब 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का विकल्प देख रही है। अगर यह सफल नहीं होता है, तो कंपनी 74 प्रतिशत एफडीआई की योजना बनाएगी।

विमानों को जल्द पट्टे पर लेगी जेट एयरवेज, साल के अंत से पहले शुरू हो जाएगा परिचालन

मुंबई/नई दिल्ली। एजेंसी

जेट एयरवेज विमानों को पट्टे पर लेने के लिए विमान विनिर्माताओं और पट्टेदारों के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और आने वाले हफ्तों में परिचालन फिर से शुरू होने की उम्मीद है। जानी-मानी विमानन कंपनी की बागडोर अब जालान-कलरॉक संघ के पास है। कंपनी को इस साल मई में विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से फिर से विमान परिचालक प्रमाणपत्र मिला था।

एयरलाइन के अधिकारियों के अनुसार, जेट एयरवेज का परिचालन इस साल के अंत से पहले शुरू हो जाएगा और शुरुआती बेड़े की योजना को अंतिम रूप देने के करीब है। इससे पहले, एयरलाइन ने कहा था कि वह अक्टूबर में परिचालन शुरू करने की योजना बना रही है। परिचालन शुरू होने में देरी की खबरों के बीच संघ के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन अपने प्रारंभिक विमानों के बेड़े की योजना को अंतिम रूप देने के बहुत करीब है। इससे पहले विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने कहा था कि एयरलाइन विमानों को पट्टे पर लेने के लिए चर्चा के एक अगले चरण में है और जल्द ही एक घोषणा की जायेगी।

बीपीसीएल ने कच्चा तेल खरीदने के लिए पेट्रोबास के साथ किया करार

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकारी ऑयल रिफाइनरी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ङ्ग्ष्ट) ने क्रूड ऑयल इंपोर्ट बास्केट को डायवर्सिफाई करने के लिए ब्राजील की नेशनल ऑयल कंपनी के साथ करार किया है. इस कंपनी का नाम पेट्रोब्रास है। बीपीसीएल की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, वह अपनी जरूरत का 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है और 20 फीसदी डोमेस्टिक मार्केट से उठाता है। मुंबई, कोच्चि और मध्य प्रदेश के बीना में उसके तीन रिफाइनरी हैं। नुमालगढ़ी रिफाइनरी भी पहले बीपीसीएल का था। साल 2021 में उसने अपनी पूरी हिस्सेदारी 9876 करोड़ में ऑयल इंडिया को बेच दी थी।

इराक और सऊदी से ज्यादा आयात करती है बीपीसीएल

BPCL बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करती है, फिर उसे रिफाइनरी में शोधित कर पेट्रोल और डीजल में परिवर्तित किया जाता है। कंपनी कच्चे तेल का बड़ी मात्रा में आयात इराक और सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशियाई देशों से करती है। हालांकि किसी क्षेत्र विशेष पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिए उसकी योजना विविध क्षेत्रों से आपूर्ति करने की है। ब्राजील की तेल कंपनी के साथ किया गया यह करार इसी योजना का हिस्सा है।

ऑयल ब्लॉक की तलाश के लिए निवेश भी करेगी

बीपीसीएल ने एक बयान में बताया कि कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अरूण कुमार सिंह और पेट्रोलबास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी काइओ पीस दे एनड्राडे ने ब्राजील में इस संबंध में के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से दोनों कंपनियों के बीच कच्चे तेल के व्यापार के क्षेत्र में संबंध मजबूत होंगे तथा बीपीसीएल मौजूदा भूराजनीति हालात के मद्देनजर दीर्घकालिक आधार पर कच्चे तेल को आयात करने की संभावनाओं का पता लगा सकेगी। भारत पेट्रोलियम की सब्सिडियरी कंपनी भारत पेट्रो रिसोर्स लिमिटेड आने वाले दिनों में ब्राजील में 1.6 बिलियन डॉलर का निवेश करना चाहती है। यह निवेश नए ऑयल ब्लॉक की तलाश के लिए होगा।

35.3 MMTPA की सालाना उत्पादन क्षमता

बीपीसीएल की क्षमता की बात करें तो वह 35.3 MMTPA यानी मिलियन मिट्रिक टन सालाना है। पूरे देश में इसके 20 हजार पेट्रोल पंप हैं और 6200 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप है। 53 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट है और 60 एविएशन सर्विस स्टेशन है। कंपनी की योजना आने वाले पांच सालों के भीतर 7000 इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की है। कंपनी की योजना 2040 तक नेट जीरो एनर्जी कंपनी बनने की है।

रुपये ने लांघा 82 का स्तर, 40 पैसे टूटकर 81.90 प्रति डॉलर के

सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई। एजेंसी

विदेशी मुद्रा की निकासी के बीच अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 40 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ अपने अबतक के सबसे निचले स्तर 81.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख और विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। वहीं, मंगलवार को रुपये की विनियम दर 14 पैसे चढ़कर 81.53 प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक श्रीराम अय्यर ने कहा कि बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया एक नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने और डॉलर में मजबूती के कारण घरेलू मुद्रा में गिरावट आई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विदेशी विनिमय और सर्राफा विश्लेषक गौरांग सोमैया के कहा कि डॉलर के अपने प्रमुख मुद्राओ के मुकाबले तेजी से बढ़ने के कारण रुपये में गिरावट जारी रही। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.40 प्रतिशत चढ़कर 114.55 पर पहुंच गया है। वहीं, निवेशकों की निगाहें भारतीय रिजर्व बैंक की शुक्रवार को मौद्रिक नीति बैठक के फैसले पर टिकी हुई हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, अब सभी का ध्यान रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर है। इस बैठक में नीतिगत दरों पर शुक्रवार को निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.33 प्रतिशत गिरकर 85.12 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में बीएसई सेंसेक्स 509.24 अंक यानी 0.89 प्रतिशत टूटकर 56,598.28 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 148.80 अंक की गिरावट आई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। उन्होंने मंगलवार को 2,772.49 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

चीन से आयातित स्टील ट्यूब, पाइप पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू कंपनियों को चीन के सस्ते आयात से बचाने के लिए स्टील ट्यूब और पाइप पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन से 'स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप' के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। डीजीटीआर ने अपनी जांच में पाया कि इन उत्पादों का भारत में बहुत कम कीमत पर निर्यात किया जाता है, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ है। निदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, ''निश्चित डंपिंग रोधी शुल्क को पांच साल के लिए लगाए जाने की सिफारिश की गई है।'' स्टेनलेस-स्टील सीमलेस ट्यूब और पाइप का उपयोग तरल पदार्थ तथा गैस को स्थानांतरित करने समेत कई अन्य कार्यों के लिए किया जाता है। डीजीटीआर ने चंदन स्टील लिमिटेड, ट्यूबेक्स प्रकाश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वेलस्पन स्पेशियल्टी सॉल्यूशंस लिमिटेड की शिकायत के बाद जांच शुरू की थी। डीजीटीआर ने इन उत्पादों पर 114 डॉलर प्रति टन से लेकर 3,801 डॉलर प्रति टन डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय इन सिफारिशों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लेता है।

औद्योगिक संगठन एआयएमपी में श्री योगेश मेहता बने अध्यक्ष

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

दो हजार से अधिक सदस्यों वाली 1959 से कार्यरत प्रदेश की ऐतिहासिक एवं प्रजातांत्रिक औद्योगिक संस्था एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के नए अध्यक्ष श्री योगेश मेहता घोषित किए गए। उनके साथ श्री तरूण व्यास को मानद सचिव नियुक्त किया गया। एसोसिएशन के सभागृह में सम्पन्न बैठक में पदाधिकारियों के चुनाव हुए। जिसमें प्रोग्रेसिव पेनल के संयोजक टीम, निवर्तमान अध्यक्ष प्रमोद डफरिया के पुरजोर प्रस्ताव, और प्रकाश जैन के समर्थन सहित निर्वाचित सदस्यों की सर्वसम्मिति से श्री योगेश मेहता को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही आपके साथ सचिव पद का दायित्व अनुभव के साथ संतुलन बनाते हुए युवा नेतृत्व को देते हुए श्री तरूण व्यास को सचिव बनाया गया है। पदाधिकारियों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री प्रकाश जैन उपाध्यक्षद्वय श्री दिलीप देव एवं श्री हरीश भाटिया और पालदा क्षेत्र से सह सचिव श्री हरीश नागर तथा सबसे अहम कोषाध्यक्ष का पदभार श्री अनिल पालीवाल को दिया गया है। नवगठित कार्यकारिणी में वरिष्ठ व दिर्घ अनुभवी उद्योगपति सदस्य श्री सतीश मित्तल, श्री प्रमोद जैन, श्री कुलवंतसिंह गांधी सहित युवा नेतृत्व श्री अमित धाकड, श्री मनीष चौधरी, श्री गिरिश पंजाबी व एक महिला उद्यमी श्रीमती रीना जैन कार्यकारिणी सदस्य होगे। एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से दिये गये अपने बधाई संदशों में नवगठित कार्यकारिणी को एक संतुलित, दूरदृष्टा एवं युवा नेतृत्व से ओतप्रोत बताते हुए नई टीम की भारी प्रसंशा की है। बैठक में पेनल संयोजक श्री ओम धूत, श्री हेमंत मेहतानी, श्री आलोक दवे, श्री विनय कालानी, श्री मोहनसिंग रघुवंशी उपस्थित हुए। बीते दिनों संपन्न वार्षिक साधारण सभा में घोषित परिणाम व द्विवार्षिक चुनाव वर्ष 2022-24 के लिए निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों में से पदाधिकारियों का चयन किया गया। आज हुई बैठक में नवगठित कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण करते हुए शासन प्रशासन के साथ पूर्ण समन्वय व सहयोग से औद्योगिक क्षेत्रों के बुनियादी विकास, उद्योगों की समस्याओं के समाधान एवं औद्योगिक नीति नियमों / कानूनों में उद्योगों के अनुरूप बदलाव लाने हेतु प्रयास किये जाने का संकल्प लिया है।

यह कारण रहे अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के

- पालदा औद्योगिक क्षेत्र से खड़ी कराई जैसी कुप्रथा को खत्म कर उद्योगों को संबल प्रदान करना।
- कोविड काल में बंद उद्योगों को आरंभ कराना, श्रमिकों का पलायन रोकना एवं उत्कृष्ठ सेवाकार्य एवं प्रशासन के साथ वैक्सीनेशन में भरपूर सहयोग
- संधारण समिति के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों का संधारण एवं रखरखाव कार्य में सहयोग
- शासन प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर उद्योगो की समस्याओं का निदान व तत्परता से उनको सहयोग करना तथा क्लस्टर विकास के प्रयास
- उद्योगों में एक सेवाभावी छवि, समर्पण भाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व सहित सबका साथ फिर औद्योगिक विकास, ऐसे तमाम कारण रहे जिसके परिणाम स्वरूप श्री योगेश मेहता एसोसिएशन के सर्व सम्मति से अध्यक्ष बने है।

एसबीआई की पूर्व प्रमुख ने कहा, देश में इतने सरकारी बैंकों की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पूर्व प्रमुख अरुंधति भट्टाचार्य का कहना है कि देश को कम लेकिन मजबूत सार्वजनिक बैंकों (पीएसबी) की जरूरत है और छोटे सरकारी बैंकों का निजीकरण या विलय किया जा सकता है।

भट्टाचार्य ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के जरिये जिन लक्ष्यों को हासिल करने की उम्मीद है, वे वास्तव में सरकारी बैंकों को सक्षम करके प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव के सुझाव पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''निजीकरण कभी भी सभी समस्याओं का हल नहीं रहा है।''

सुब्बाराव ने दरअसल सरकार को सभी सरकारी बैंकों के निजीकरण के लिए 10 साल की रूपरेखा तैयार करने का सुझाव दिया था। वहीं, भट्टाचार्य ने कहा, ''मुझे नहीं लगता है कि हमें इतने सारे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की जरूरत है। सरकारी बैंकों की संख्या कम हो सकती है।''

सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरपर्सन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी भट्टाचार्य ने कहा, ''कुछ सरकारी बैंकों का निजीकरण किया जा सकता है और सार्वजनिक क्षेत्र के मजबूत बैंक अभी भी बने रह सकते हैं।' उल्लेखनीय है कि सरकार ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय स्तर के दस सरकारी बैंकों का चार बड़े सार्वजानिक क्षेत्र के बैंकों में विलय कर दिया था। इसके बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या घटकर 12 रह गई।

सरकार जीएसटी के तहत कुछ मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर लाने पर कर रही विचार

नयी दिल्ली। सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत कुछ मामलों को अपराध के दायरे से बाहर लाने पर काम कर रही है। इसके तहत अभियोजन चलाने को लेकर सीमा बढ़ाने के साथ समझौते वाले समाधान योग्य अपराधों के लिये दरों को कम करने पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल माल एवं सेवा कर चोरी या इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का दुरुपयोग पांच करोड़ रुपये से अधिक होने पर गड़बड़ी करने वाली इकाई के खिलाफ अभियोजन चलाने का प्रावधान है।

वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (राजस्व) विवेक अग्रवाल ने उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम में कहा, ''हम करदाताओं के लिये अभियोजन को अधिक सरल और अनुकूल बनाने को लेकर जीएसटी अधिनियम के तहत प्रावधान बनाने पर काम कर रहे हैं। केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिनियम के तहत धारा 132 है जिसके अंतर्गत जीएसटी चोरी और उसे अवैध तरीके से प्राप्त करना अपराध की श्रेणी में आता है। हम अभियोजन चलाने के लिये सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जीएसटी के तहत समझौते से समाधान योग्य अपराधों के लिये भी शुल्क कम किये जाएंगे। इससे करदाता कानूनी दाव-पेंच में जाने के बजाय अपने अपराधों को समझौते के जरिये निपटान के लिये प्रोत्साहित होंगे। जीएसटी कानून के तहत समझौते वाले समाधान योग्य अपराधों के लिये राशि कर रकम का 50 प्रतिशत है। इसमें न्यूनतम राशि 10,000 रुपये है। वहीं अधिकतम राशि कर रकम की 150 प्रतिशत या 30,000 रुपये, जो भी अधिक हो, है। अग्रवाल ने कहा, ''जीएसटी में समझौते के तहत समाधान योग्य अपराधों को लेकर प्रावधान निषेधात्मक है। इसके अंतर्गत 50 प्रतिशत से लेकर 150 प्रतिशत तक शुल्क देने की जरूरत पड़ती है जिसका भुगतान करना असंभव है। यही कारण है कि जीएसटी के तहत इस प्रकार से मामले का समाधान शून्य है। इस पर पुनर्विचार किया जा रहा है ताकि इसमें कम शुल्क देना हो और करदाताओं के लिये पहला या बेहतर विकल्प बने।'' राजस्व विभाग के अधिकारी ने यह भी कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों मदों में कर संग्रह में अच्छी वृद्धि हुई है। इससे करदाताओं के लिये और अनुकूल सुधार का रास्ता साफ हुआ है। जीएसटी कानून में प्रस्तावित बदलावों को माल एवं सेवा कर परिषद की अगली बैठक में रखा जाएगा।

डॉलर के मुकाबले चीन का युआन 14 साल के सबसे निचले स्तर पर

बीजिंग। एजेंसी

चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा घरेलू मुद्रा में गिरावट को रोकने के प्रयासों के बावजूद बुधवार को डॉलर के मुकाबले युआन गिरकर 14 साल के निचले स्तर पर आ गया। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि के बाद ऊंचे रिटर्न की संभावना ने निवेशकों को अपनी मुद्राओं को डॉलर में बदलने के लिए प्रेरित किया है। युआन की विनियम दर में कमजोरी से चीनी निर्यातकों को विदेशों में अपना सामान सस्ते में भेजने में मदद मिलती है लेकिन इसके कारण अर्थव्यवस्था से पूंजी की निकासी भी होती है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले युआन गिरकर 7.2301 प्रति डॉलर पर आ गया, जो जनवरी 2008 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। गौरतलब है कि एक युआन की कीमत पहले लगभग 13.8 सेंट थी, जो इस साल मार्च के उच्चतम स्तर से 15 प्रतिशत कम है। एक डॉलर 100 सेंट के बराबर होता है।

नए साल से देश में बिकने वाले सभी मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर का पंजीकरण जरूरी होगा

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश में नए साल यानी एक जनवरी, 2023 से बेचे जाने वाले सभी मोबाइल फोन के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई नंबर) का पंजीकरण अनिवार्य होगा। सरकार ने 26 सितंबर को इस बारे में जारी अधिसूचना में कहा है कि भारत में बिकने वाले सभी मोबाइल हैंडसेट के आईएमईआई नंबर को उसके जाली उपकरण रोधक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि विनिर्माताओं को भारत में विनिर्मित सभी मोबाइल फोन का आईएमईआई नंबर जाली उपकरण रोधक पोर्टल पर दर्ज कराना होगा। यह अधिसूचना मोबाइल उपकरण पहचान संख्या से छेड़छाड़ रोधक (संशोधन) नियम, 2022 के तहत जारी की गई है। प्रत्येक मोबाइल फोन का विशिष्ट 15 अंक का आईएमईआई नंबर होता है। यह संबंधित उपकरण की पहचान संख्या होती है। कई बार मोबाइल फोन गुम होने के बाद उनको ढूंढ पाना मुश्किल होता है। इसकी वजह यह है कि दूरसंचार नेटवर्क में एक ही आईएमईआई नंबर के जाली उपकरण भी होते हैं।

गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर 'रेल-सह-सड़क पुल परियोजना' को मंजूरीः गडकरी

नयी दिल्ली। एजेंसी

असम के गुवाहाटी में मौजूदा सरायघाट पुल के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 'रेल-सह-सड़क पुल परियोजना' को मंजूरी दे दी गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को यह बात कही। परियोजना लागत का बोझ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और रेल मंत्रालय उठाएंगे। परियोजना की लागत 996.75 करोड़ रुपये है। गडकरी ने एक ट्वीट में कहा कि संपर्क मार्ग की लागत 322 करोड़ रुपये है और इसे पूरी तरह से एनएचएआई द्वारा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, ''पुल असम के उत्तरी तट को दक्षिण तट, यानी ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी से जोड़ेगा।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एक बार पुल का निर्माण हो जाने के बाद यह नदी के पार निर्बाध और रणनीतिक संपर्क प्रदान करेगा।

वीवो ने वीवो इग्नाइट इनिशिएटिव लॉन्च किया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली इनोवेशन की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ, अग्रणी ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रांड वीवो ने एक देशव्यापी पहल 'वीवो इग्नाइट' को शुरू किया है। इस पहल के जरिए वीवो का उद्देश्य प्रॉब्लम-सॉल्विंग एप्रोच के साथ पूरे भारत में स्टूडेंट्स को सशक्त बनाने और देश के जरुरी मुद्दों पर बात करने के लिए सबसे उपयुक्त और आवश्यक वैज्ञानिक विचारों को एकीकृत कर लागू करने के लिए सही टेक्नोलॉजी को विकसित करना है। आजीवन सीखने की नींव बचपन से ही पड़ती है इसलिए वीवो का उद्देश्य अपनी इग्नाइट पहल के जरिए बच्चों को एक चुनौतीपूर्ण अवसर प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता के लिए 8 से 12 वीं कक्षा तक के सभी भारतीय स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं। यह प्रतियोगिता सितंबर 2022 से फरवरी 2023 तक तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के आखरी चरण में इनोवेटिव थिंकर्स को पहचान दिलाने के लिए

वीवो साइंस और इनोवेशन अवार्ड्स का आयोजन किया जायेगा, जिसमें 10 विजेताओं को 25 लाख रुपए से अधिक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन 12 दिसंबर को समाप्त होंगे। स्टूडेंट्स रजिस्ट्रेशन के लिए यहां क्लिक कर सकते हैं।

वीवो इंडिया के बिजनेस स्ट्रैटेजी हेड पैघम दानिश ने कहा, 'वीवो में, हम बेहतरीन और सरल उत्पादों और अनुभवों के जरिए दुनिया में खुशी लाने के लिए समर्पित हैं। इस विचार के अनुरूप, वीवो के साथ हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी युवाओं के मन में प्रॉब्लम-सॉल्विंग एप्रोच को प्रोत्साहित करना है। साथ ही देश से जुड़े अहम मुद्दों पर बात करने के लिए उन्हें अपने तकनीकी और रचनात्मक विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। वीवो इग्नाइट भारत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है- लोगों को सशक्त बनाकर खुशी देने की प्रतिबद्धता। वीवो इग्नाइट यंग इनोवेटर्स को उनके जीवन की शुरुआत में इनोवेशन की दिशा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा। हम अपने महत्वाकांक्षी युवाओं की नवीन और विश्लेषणात्मक सोच को देखकर उत्साहित हैं।'

डायकिन इंडिया और सारथी ने विकलांग पेशेवरों के लिए अवसरों को खोलने के लिए साझेदारी की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

डायकिन इंडिया ने विकलांग पेशेवरों के लिए अवसरों को खोलने के लिए सारथी के साथ साझेदारी की घोषणा की है इस पहल का उद्देश्य आर्थिक सशक्तिकरण के सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न आउटसोर्सिंग सुविधाओं में डायकिन के साथ जुड़ने के लिए विकलांग व्यक्तियों को एक साथ लाने के लिए एक समान अवसर मंच प्रदान करना है।

डायकिन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री के जे जावा ने कहा कि डायकिन इंडिया में हम हर कदम पर विकलांग पेशेवरों

के साथ समावेशी बने हुए हैं और कंपनी अपनी आउटसोर्सिंग सुविधाओं में डेटा एंट्री और डेटा प्रबंधन के क्षेत्र में उनके कौशल को पहचान रही है और विकसित कर रही है सारथी और डाइकिन इंडिया के बीच सहयोग के लिए पिछला एक साल अन्य कॉरपोरेट्स भागीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को विकलांग पेशेवरों के साथ जुड़ने और सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। सारथी की सीईओ और सह-संस्थापक ऋचा बंसल ने कहा कि सारथी में हमारा मानना है कि काम मानवीय गरिमा का मूल है आज के युग में विकलांग व्यक्तियों के लिए अवसरों को अनलॉक करने की तत्काल आवश्यकता है जो नियमित कार्यबल की तुलना में उच्च स्तर की उत्पादकता और उच्च प्रतिधारण प्रदान कर सकते हैं और प्रदर्शित कर सकते हैं साराथी नीति निर्माण डिजिटल और भौतिक पहुंच के साथ-साथ एक समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर एक सक्षम वातावरण बनाने पर केंद्रित है हमें डायकिन इंडिया के साथ उनके आउटसोर्सिंग चैनल पार्टनर के रूप में साझेदारी करने पर गर्व है जो हमें विकलांग व्यक्तियों के लिए अवसरों को अनलॉक करने और उन्हें दीर्घकालिक करियर बनाने में मदद करता है।

निर्माण खर्च बराबर, पर वेस्ट की सड़कें बेस्टः राज्य में प्लास्टिक वेस्ट से 2015 में बनीं 8 जिलों की 40 किमी सड़कें

टूट-फूट में डामर से बेहतर, 8 टन भार के ट्रक से 15% कम दबती हैं MNIT ने दो साल के शोध के बाद की प्लास्टिक सड़कों की सिफारिश

जयपुर। एजेंसी

एमएनआईटी जयपुर के वैज्ञानिकों ने 2 साल के शोध के बाद दावा किया है कि प्लास्टिक वेस्ट से बनीं सड़कें डामर सड़कों से कई गुना बेहतर होती हैं। एमएनआईटी को नेशनल रूरल रोड डवलपमेंट ने रिसर्च प्रोजेक्ट दिया था। उद्देश्य था- डामर सड़कें बेहतर हैं या प्लास्टिक वेस्ट की सड़कें। प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर प्रो. बीएल स्वामी के नेतृत्व में शोध शुरू हुआ। टीम ने जयपुर, दौसा, सीकर, उदयपुर, पाली, जोधपुर, नागौर, बीकानेर में पीएम ग्राम सड़क योजना में प्लास्टिक वेस्ट से बनीं सड़कों पर शोध किया। इनकी 40 किमी व डामर की 10 किमी सड़कों के फील्ड व लैब टेस्ट किए। इन सभी की औसत उम्र 4 साल थी। पता चला कि प्लास्टिक वेस्ट की सड़कों पर क्रैक, खड्?डों जैसी समस्याएं डामर की सड़क से 80ञ तक कम हैं।

प्लास्टिक वेस्ट क्या होता है और उससे सड़क कैसे बनाई जाती है?

प्लास्टिक कैरीबैग, कप-चिप्स-बिस्कुट-चॉकलेट आदि के पैकेट उपयोग के बाद वेस्ट बन जाते हैं। इस वेस्ट के 8 एमएम से छोटे टुकड़े करते हैं। छोटे पत्थर/गिट्टी बिछाकर उसे मशीन के जरिए 140 से 160ष्ट तापमान पर गर्म करते हैं। ऊपर से प्लास्टिक वेस्ट की लेयर और उस पर डामर की लेयर बिछाते हैं। सड़क बनाने के सभी घटकों में प्लास्टिक वेस्ट 8ञ मिलाते हैं। देश में प्लास्टिक मैन पद्मश्री प्रो. राजगोपालन वासुदेवन ने यह तकनीक खोजी थी।

शोध में प्लास्टिक से बनी सड़कें डामर की सड़कों से बेहतर कैसे पाई गईं?

आठ टन लोड वाला ट्रक दोनों तरह की सड़कों पर चलाया। इसमें प्लास्टिक सड़कें डामर से 15ञ कम दबीं। राइड क्वालिटी देखने के लिए सेंसर लगे साइकल से रीडिंग ली तो प्लास्टिक सड़कों पर खुरदुरापन कम मिला। रोड टूटने, खड्डों जैसी समस्या बहुत कम मिली। तापमान में अंतर आने से सड़कें फैल जाती हैं लेकिन प्लास्टिक सड़कों में यह समस्या भी नहीं मिली। ड्रेनेज सिस्टम ठीक होने पर बारिश में भी प्लास्टिक सड़कें डामर सड़कों से बेहतर स्थिति में मिलीं।

ड्रेनेज सिस्टम ठीक होने से डामर से ज्यादा चलती हैं प्लास्टिक सड़कें खुरदुरापन कम...तापमान में अन्तर से फैलती भी कम हैं प्रो. बीएल स्वामी प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर, एमएनआईटी ने बताया कि दोनों पर खर्च औसतन प्रति किमी 25-?30 लाख आता है। ड्रेनेज कम हो तो डामर 2 साल में उखड़ जाती है। प्लास्टिक वेस्ट में ड्रेनेज मजबूती देता है। पांच साल तक तो कुछ नहीं बिगड़ता, प्लास्टिक कचरा भी री-यूज हो जाता है। डामर सड़क की औसत आयु 3 साल है, निर्माता 3 साल उसका मेंटेनेंस करता है। हर साल मानसून में सड़क टूटती है। बारिश में डामर प्लांट बंद रहते हैं तो कई माह लोगों को गड्ढों से गुजरना पड़ता है। प्लास्टिक सड़कों में यह नौबत कम आती है। केंद्र कहीं-कहीं प्लास्टिक सड़कें ही बना रहा है। दक्षिण भारत में चलन बढ़ा है। राजस्थान में लागू करने के लिए टेंडर डॉक्यूमेंट बदलने होंगे। यहां की फर्मों के पास डामर प्लांट ही हैं। बदलाव का अर्थ होगा- बंधे सिस्टम से छेड़छाड़, जो विरोध का कारण बन सकता है। शुरुआत में संभव है लागत थोड़ी बढ़े, मशीनों के अभाव में फर्म कम आएं। लेकिन जनहित में यह करना होगा।

गामा औद्योगिक पार्क का लोकार्पण मुख्यमंत्री ने किया

■शहर से लगा हुआ उद्योगों के लिए विकसित नया औद्योगिक निवेश क्षेत्र ■ 53 इकाईयों में 150 करोड रू. का निवेश 2000 लोगों को रोजगार

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वर्चुअल रूप से आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से इंदौर में दो औद्योगिक क्लस्टर का शिलान्यास तथा तीन औद्यागिक क्लस्टर का लोकार्पण किया। इसमें चार क्लस्टर निजी क्षेत्र के तथा एक क्लस्टर शासकीय क्षेत्र का है। इन क्लस्टरों में स्थापित होने उद्योगों में 1325 करोड़ रूपये का पूंजी निवेश होगा तथा लगभग 12 हजार युवाओं को सीधे रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के बुधनी में 29 5521 करोड़ 51 लाख रुपए निवेश वाली 26 औद्योगिक संरचनाओं का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इन निर्माण कार्यों से लगभग 59 हजार युवाओं को सीधे रोजगार मिलेगा। बुधनी में राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम भी किया गया। समारोह की अध्यक्षता एमएसएमई मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने की। मुख्यमंत्री 13 जिलों के 16 औद्योगिक क्लस्टर और 03 औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने 04 जिलों के 03 औद्योगिक क्लस्टर, एक औद्योगिक क्षेत्र, 02 इन्क्यूबेशन सेंटर और एक स्टार्टअप सेंटर के कार्यालय का लोकार्पण किया। सीएम इंदौर, नीमच, भोपाल और बुरहानपुर के क्लस्टर विकासकर्ता उद्यमियों से वर्चुअल संवाद किया। सभी जिलों में प्रभारी मंत्री और निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आतिथ्य में आयोजन होंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उद्योग संघों के प्रतिनिधि, हितग्राही, एमएसएमई उद्यमी, कलस्टर के विकासकर्ता, बैंकर और स्व-रोजगार योजना से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी भी शामिल थे। बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम अहिरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इस अवसर पर इंदौर के गामा औद्योगिक पार्क में लोकार्पण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गामा औद्योगिक पार्क के श्री योगेश मेहता से सीधा संवाद किया। उन्होंने औद्योगिक पार्क के निर्माण की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर श्री योगेश मेहता ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि इस पार्क में 74 औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना होगी। इसमें 150 करोड़ रूपये का निवेश होगा। साथ ही एक हजार 500 युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री जी ने सभी संचालकों को शुभकामनाएं दी।

एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री योगेश मेहता ने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने और युवा उद्योगपतियों के लिए स्वयं का उद्योग स्थापित करने व रोजगार सृजन हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है जिससे की किसी भी उद्योगपतियों को ज्यादा कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। श्री योगेश मेहता ने बताया कि वर्तमान में जो भी इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया जा रहा है उसमे उद्योगपति को जो भी बुनियादी सुविधाओं की जरूरत होती है उन समस्त सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये पार्क निर्मित किये जा रहे है। ऐसा ही इंदौर-उज्जैन मार्ग पर एक औद्योगिक निवेश क्षेत्र गामा इंडस्ट्रियल पार्क का निर्माण किया गया है जिसमें एक ही स्थान पर मूलभूत सभी सुविधाएं और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता कराई जा रही है जो एक नए उद्योग स्थापित करने में सहायता करता है और जिसके कारण नए उद्योगपति अपना ज्यादा से ज्यादा समय व्यापार व्यवसाय में दे सके ।

श्री योगेश मेहता ने बताया कि 4,94,422 वर्ग फुट पर निर्मित गामा इंडस्ट्रीयल पार्क एक सर्वसुविधा सम्पन्न औद्योगिक पार्क विकसीत हो रहा है जिसमें उद्योगों की सुविधा के मान से जगह के चयन को महत्व दिया गया है। गामा इंडस्ट्रियल पार्क शहर के नजदीक विकसित किये जाने से एक उद्योगपति को व्यावसायिक गतिविधियों को करने एवं रेल, सडक जैसी कनेक्टिविटी आदि की सभी सुविधाएं आसानी से प्राप्त हो सकती हैं। इस पार्क में 64 इकाईयों का निर्माण प्रस्तावित है जिसमें 150 करोड रू. का नियोजन लगभग तय है तथा 2000 लोगों को रोजगार उपलब्ध होने, स्वयं स्थापित ग्रिड के माध्यम से 24 घंटे 33/11 केवी बिजली का सप्लाय, 24 घंटे पानी की उपलब्धता, 60 फीट चौड़ी सीमेन्टीकृत सड़कें, स्ट्रीट लाइटें, भव्य प्रवेश द्वार, एक सभाकक्ष, वेस्ट वॉटर निर्गमन की व्यवस्था, गार्डन, फायर मेनेजमेंट की व्यवस्था, चारों ओर बाउंड्री वॉल, 24 घंटे सिक्योरिटी की व्यवस्था की गई है । गामा पार्क में निवेश सुविधा के लिए विभिन्न वित्तीय संस्थाओं से टाईअप किये गये है इससे नव उद्यमियों को वित्तीय सहायता के लिए इधर उधर न भटकना पडे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी में आयोजित कार्यक्रम में 13 जिलों के 16 औद्योगिक क्लस्टर व 3 औद्योगिक क्षेत्रों का भूमि पूजन एवं 4 जिलों के 3 औद्योगिक क्लस्टर,1 औद्योगिक क्षेत्र, 2 इनक्यूबेशन सेंटर और 1 स्टार्टअप सेंटर के कार्यालय का लोकार्पण किया। इसमें इंदौर में स्थापित 5 कलस्टरों में से फर्निचर कलस्टर बेटमा खुर्द के भूमिपूजन और शिलान्यास के साथ गामा इंडस्ट्रियल पार्क का लोकार्पण भी किया। इस दौरान 3 अन्य कलस्टरों का भी भूमिपूजन और शिलान्यास किया गया । इस अवसर पर प्रदेश स्तर से बुधनी से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, एमएसएमई मंत्री औमप्रकाश सखलेचा, उद्योग आयुक्त पी नरहरि के साथ ही स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर श्री मनीष सिंह, एसोशिएशन ऑफ इंण्डस्ट्रीज मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री प्रमोद डाफरिया, वर्तमान उपाध्यक्ष श्री प्रकाश जैन, इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के अध्यक्ष सचिन बंसल ,लोकेश अवस्थी श्री हरिश नागर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

100 प्रतिशत मेड इन इंडिया स्मार्ट डिवाईसेज़ ब्रांड - सेंस लॉन्च

स्मार्ट वॉच, ट्रू वायरलेस ईयरबड, नेकबैंड और अन्य स्मार्ट लाईफस्टाईल उत्पाद लॉन्च किए

निर्माण गुरुग्राम, हरियाणा में,

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

100 प्रतिशत मेड इन इंडिया स्मार्ट डिवाईसेज़ के साथ पहले वियरेबल ब्रांड, सेंस ने स्मार्ट कनेक्टेड उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का सितम्बर 21 को लॉन्च किया। त्योहारों से पूर्व कंपनी ने स्मार्टवॉच, टीडब्लूएस ईयरबड्स, नेकबैंड्स और लाईफस्टाईल उत्पादों की विभिन्न श्रेणियों में 11 उत्पादों का लॉन्च करने की घोषणा की है। केवल एमेज़ॉन पर उपलब्ध ये उत्पाद सीमित समय के लिए विशेष लॉन्च मूल्यों में 23 सितंबर, 2022 से एमेज़ॉन पर मिलना शुरू हो जाएंगे। सेंस को जैना ग्रुप का सहयोग प्राप्त है, जिसे मोबाईल, स्मार्टवॉच, वियरेबल, और कंज़्यूमर ड्यूरेबल उद्योग में एक दशक से ज्यादा समय का अनुभव है।

भारतीय मिलेनियल्स और जनरेशन जैड के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सेंस के उत्पाद पोर्टफोलियो में ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए उद्योग की प्रथम ट्रेडमार्क्ड टेक्नॉलॉजी हैं। इन टेक्नॉलॉजी में आईआईसी (इंटैलिजेंट इंस्टा कनेक्ट) फीचर शामिल है, जो ग्राहकों को अपने ईयरबड का लिड खोलते ही तत्काल सुगमता से उसे पेयर कर देता है। इस टेक्नॉलॉजी द्वारा नेकबैंड मैग्नेटिक ईयरबड से ऑटोमैटिक रूप से कनेक्ट और डिसकनेक्ट हो जाते हैं। इसके अलावा, एसवीवीसी (स्मार्ट वीडियो वॉईस कनेक्ट) चुनिंदा टीडब्लूएस और नेकबैंड्स में लेटेंसी को काफी कम कर देते हैं और ऑडियो/वीडियो को सुगमता से सिंक करके रखते हैं। तीसरी टेक्नॉलॉजी एएफएपी (एज़ फास्ट एज़ पॉसिबल) है, जो डिवाईस को सबसे कम समय में पूरी क्षमता तक दोबारा चार्ज करने के लिए क्विक चार्ज सुविधा प्रदान करती है। यह टेक्नॉलॉजी चुनिंदा टीडब्लूएस और नेकबैंड्स में सेंस पोर्टफोलियो के तहत उपलब्ध है। इसके साथ ही, स्मार्टवॉच के पोर्टफोलियो में भी लेटेस्ट टेक्नॉलॉजी, जैसे एमोलेड डिस्प्ले, बीटी कॉलिंग, ऑर्बिटर आदि हैं।

कौन सी धातु के बर्तन में भोजन करने से क्या क्या लाभ और हानि होती है

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

सोना

सोना एक गर्म धातु है ! सोने से बने पात्र में भोजन बनाने और करने से शरीर के आन्तरिक और बाहरी दोनों हिस्से कठोर, बलवान, ताकतवर और मजबूत बनते है और साथ साथ सोना आँखों की रौशनी बढ़ता है !

चाँदी

चाँदी एक ठंडी धातु है, जो शरीर को आंतरिक ठंडक पहुंचाती है ! शरीर को शांत रखती है इसके पात्र में भोजन बनाने और करने से दिमाग तेज होता है, आँखों स्वस्थ रहती है, आँखों की रौशनी बढती है और इसके अलावा पित्तदोष, कफ और वायुदोष को नियंत्रित रहता है !

कांसा

काँसे के बर्तन में खाना खाने से बुद्धि तेज होती है, रक्त में शुद्धता आती है, रक्तपित शांत रहता है और भूख बढ़ाती है ! लेकिन काँसे के बर्तन में खट्टी चीजे नहीं परोसनी चाहिए खट्टी चीजे इस धातु से क्रिया करके विषैली हो जाती है जो नुकसान देती है ! कांसे के बर्तन में खाना बनाने से केवल 3 प्रतिशत ही पोषक तत्व नष्ट होते हैं !

तांबा

तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से व्यक्ति रोग मुक्त बनता है, रक्त शुद्ध होता है, स्मरण-शक्ति अच्छी होती है, लीवर संबंधी समस्या दूर होती है, तांबे का पानी शरीर के विषैले तत्वों को खत्म कर देता है इसलिए इस पात्र में रखा पानी स्वास्थ्य के लिए उत्तम होता है. तांबे के बर्तन में दूध नहीं पीना चाहिए इससे शरीर को नुकसान होता है !

पीतल

पीतल के बर्तन में भोजन पकाने और करने से कृमि रोग, कफ और वायुदोष की बीमारी नहीं होती ! पीतल के बर्तन में खाना बनाने से केवल 7 प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट होते हैं !

लोहा

लोहे के बर्तन में बने भोजन खाने से शरीर की शक्ति बढती है, लोहतत्व शरीर में जरूरी पोषक तत्वों को बढ़ता है ! लोहा कई रोग को खत्म करता है, पांडू रोग मिटाता है, शरीर में सूजन और पीलापन नहीं आने देता, कामला रोग को खत्म करता है, और पीलिया रोग को दूर रखता है. लेकिन लोहे के बर्तन में खाना नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसमें खाना खाने से बुद्धि कम होती है और दिमाग का नाश होता है ! लोहे के पात्र में दूध पीना अच्छा होता है !

स्टील

स्टील के बर्तन नुक्सान दायक नहीं होते क्योंकि ये ना ही गर्म से क्रिया करते है और ना ही अम्ल से. इसलिए नुक्सान नहीं होता है. इसमें खाना बनाने और खाने से शरीर को कोई फायदा नहीं पहुँचता तो नुक्सान भी नहीं पहुँचता !

एलुमिनियम

एल्युमिनिय बोक्साईट का बना होता है ! इसमें बने खाने से शरीर को सिर्फ नुक्सान होता है ! यह आयरन और कैल्शियम को सोखता है इसलिए इससे बने पात्र का उपयोग नहीं करना चाहिए ! इससे हड्डियां कमजोर होती है. मानसिक बीमारियाँ होती है, लीवर और नर्वस सिस्टम को क्षति पहुंचती है ! उसके साथ साथ किडनी फेल होना, टी बी, अस्थमा, दमा, बात रोग, शुगर जैसी गंभीर बीमारियाँ होती है ! एलुमिनियम के प्रेशर कूकर से खाना बनाने से 87 प्रतिशत पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं !

मिट्टी

मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने से ऐसे पोषक तत्व मिलते हैं, जो हर बीमारी को शरीर से दूर रखते थे ! इस बात को अब आधुनिक विज्ञान भी साबित कर चुका है कि मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने से शरीर के कई तरह के रोग ठीक होते हैं ! आयुर्वेद के अनुसार, अगर भोजन को पौष्टिक और स्वादिष्ट बनाना है तो उसे धीरे-धीरे ही पकना चाहिए। भले ही मिट्टी के बर्तनों में खाना बनने में वक़्त थोड़ा ज्यादा लगता है, लेकिन इससे सेहत को पूरा लाभ मिलता है। दूध और दूध से बने उत्पादों के लिए सबसे उपयुक्त है मिट्टी के बर्तन। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से पूरे 100 प्रतिशत पोषक तत्व मिलते हैं ! और यदि मिट्टी के बर्तन में खाना खाया जाए तो उसका अलग से स्वाद भी आता है।

नवरात्रि 26 सितंबर से 4 अक्टूबर तक

महिषासुरमर्दिनी की पूजा दिलाती है जीत श्रीराम ने भी की थी शक्ति आराधना

4 अक्टूबर तक शारदीय नवरात्रि रहेगी। इन दिनों में देवी के सभी रूपों की पूजा होती है। इनमें सबसे खास महिषासुरमर्दिनी रूप की पूजा होती है। ये रूप वीरता का प्रतिक है। इसलिए इनकी पूजा करने से दुश्मनों पर जीत मिलती है।

देवताओं की शक्ति से प्रकट हुई महादेवी

महिषासुर ने जब धरती पर आतंक फैला रखा था तब सभी देवताओं ने अपनी शक्ति को इकट्ठा किया तो महादेवी का रूप प्रकट हुआ। शक्ति के इसी रूप ने महिषासुर को मारा। इसके बाद देवता, यक्ष, गंधर्व, किन्नर और ऋषियों ने महिषासुरमर्दिनी रूप की पूजा की। तब से ही दुश्मनों पर जीत के लिए देवी के इसी रूप की पूजा होने लगी।

श्रीराम ने भी की थी शक्ति पूजा

एक अन्य कथा के मुताबिक भगवान श्रीराम ने रावण को मारने और जीत पाने की इच्छा से शक्ति आराधना ही की थी। विद्वान बताते हैं कि देवर्षि नारद ने श्रीराम को नवरात्रि में देवी पूजा करने की सलाह दी थी। तब राम ने आश्विन मास में आने वाली शारदीय नवरात्रि में देवी के महिषासुरमर्दिनी रूप की ही पूजा की थी। इसलिए उन्हें विजय मिली।

शारदीय नवरात्रि में महिषासुरमर्दिनी पूजा का महत्व

दुर्गा सप्तशती में देवी की महापूजा का जिक्र हुआ है। जिसमें देवी ने खुद कहा है कि जो शरद ऋतु में मेरी पूजा करेगा उसका हर कष्ट दूर हो जाएगा। महिषासुरमर्दिनी रूप की पूजा से दुश्मनों पर जीत मिलेगी। राजाओं ने देवी के इसी रूप की पूजा कर के दुश्मनों पर जीत हासिल की और अपना खोया हुआ राज्य पाया।

शक्तिपीठ मैहर

आल्हा ऊदल ने खोजा था मां का मंदिर, आदि शंकराचार्य ने शुरू की थी पूजा

मध्यप्रदेश के सतना जिले में स्थित मैहर धाम विश्व प्रसिद्ध है. यह मां भवानी के 52 शक्तिपीठों में से एक है. आदि शक्ति मां शारदा देवी का मंदिर मैहर नगर के पास विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के मध्य त्रिकूट पर्वत पर स्थित है. मान्यता है मां शारदा की पहली पूजा आदि गुरु शंकराचार्य ने की थी. मैहर में हर वर्ष शारदेय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि में मेला लगता है. दूर दूर से देवी भक्त अपनी अपनी मुराद लेकर पहुचंते हैं. मान्यता है मां शारद ने कलयुग में अपने भक्त की भक्ति से प्रसन्न होकर आल्हा को अमरता का वरदान दिया था. कहा जाता है कि आज भी मां शारदा की पहली पूजा आल्हा देव ही करते हैं. दूर दूर से देवी भक्त मां के दिव्य दर्शन करने यहां आते हैं.

मंदिर पहुंचने के रास्ते

मैहर पर्वत का नाम प्राचीन धर्म ग्रंथों में मिलता है. इसका उल्लेख पुराणों में भी आया है. मां शारदा देवी के दर्शन के लिए 1063 सीढ़िया चढ़कर पहुंचते हैं. यहां पर प्रतिदिन हजारों दर्शनार्थी दर्शन करने आते हैं. भक्त सड़क मार्ग से भी पहुंच सकते हैं. 2007 से रोपवे की सुविधा उपलब्ध है.

मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है. धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती भगवान शिव से विवाह करना चाहती थी. लेकिन उनकी इच्छा राजा दक्ष को मंजूर नहीं थी. फिर भी सती ने अपनी जिद से भगवान शिव से विवाह कर लिया. एक बार राजा दक्ष ने यज्ञ करवाया. उस यज्ञ में ब्रह्मा, विष्णु इंद्र और अन्य देवी देवताओं को आमंत्रित किया. लेकिन यज्ञ में भगवान शंकर को नहीं बुलाया. यज्ञ स्थल पर सती ने अपने पिता दक्ष से शंकर जी को आमंत्रित ना करने का कारण पूछा. इस पर राजा दक्ष ने भगवान शंकर को अपशब्द कहे.

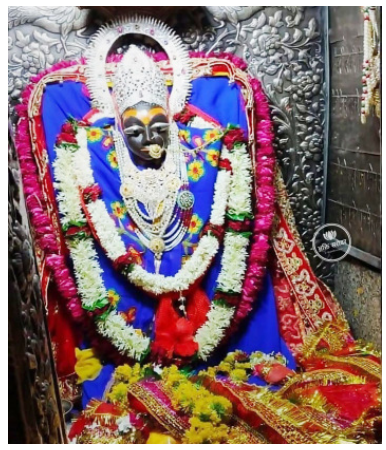

अपमान से दुखी होकर माता सती ने यज्ञ अग्नि कुंड में कूद कर अपने प्राणों की आहुति दे दी.

52 शक्तिपीठों की कहानी

भगवान शंकर को जब इस बारे में पता चला तो क्रोध से उनका तीसरा नेत्र खुल गया. ब्रह्मांड की भलाई के लिए भगवान विष्णु ने सती के शरीर को 52 भागों में विभाजित कर दिया. जहां भी सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठों का निर्माण हुआ. ऐसा माना जाता है यहां पर माता सती का हार और कंठ गिरा था. इसलिए इस जगह को माई का हार यानि मैहर कहा जाता है. 52 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ मैहर मां शारदा देवी के मंदिर को माना गया है.

राजपरिवार पुजारी

त्रिकूट पर्वत की चोटी पर ये मंदिर लोगों की आस्था का क्रेंद बन चुका है. देश विदेश से यहां माई के भक्त हर दिन पहुंचते है. यह मंदिर दसवीं सदीं में प्रकाश में आया और सबसे पहले आदि गुरू शंकराचार्य ने पूजा अर्चना शुरू की थी. बाद में ये मंदिर मैहर राजघराने के आधिपत्य में आया और फिर मैहर राजपरिवार के पुजारी को मंदिर के पूजा अर्चना का कार्य सौंपा गया. राज परिवार की पांचवी पीढ़ी आज पूजा अर्चना कर रही है. हालांकि मंदिर का संचालन सरकार के अधीन हो चुका है. इसके प्रशासक जिला कलेक्टर हैं. शारदा प्रबंध समित मंदिर का संचालन कर रही है और इस मंदिर में प्रधान पुजारी राज परिवार के बड़े पुत्र होते हैं. उनकी मंदिर की आय में 33 प्रतिशत की हिस्सेदारी रहती है.

आल्हा-ऊदल की खोज

इस मंदिर का ऐतिहासिक महत्व भी है. ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर आल्हा खंड के नायक आल्हा ऊदल दो सगे भाई मां शारदा के अनन्य उपासक थे. महोबा से आकर आल्हा ऊदल ने ही सबसे पहले जंगल के बीच मां शारदा देवी के इस मंदिर की खोज की थी. इसके बाद आल्हा ने इस मंदिर की तलहटी में 12 साल तक तपस्या कर देवी को प्रसन्न किया था. माता ने उन्हें प्रसन्न होकर अमर होने का आशीर्वाद दिया था.

आल्हा की कुलदेवी का मंदिर

मां शारदा मंदिर प्रांगण में स्थित फूलमती माता का मंदिर आल्हा की कुल देवी का है. विश्वास किया जाता है कि प्रति दिन ब्रम्ह मुहूर्त में स्वयं आल्हा यहां मां की पूजा करते हैं. मंदिर की तलहटी में आज भी आल्हा देव के अवशेष हैं. यहां आल्हा मंदिर है और आल्हा ऊदल का अखाड़ा भी. आल्हा मंदिर में उनकी तलवार और खड़ाऊ आम भक्तों के दर्शन के लिए आज भी रखी गई है. आल्हा तालाब भी है जिसे प्रशासन ने संरक्षित किया है. सूचना बोर्ड में भी इस तालाब के एतिहासिक और धार्मिक महत्व का वर्णन है. समय समय पर यहां आल्हा पाठ भी होता है.

साल में दो बार मेला

यहां साल में दो बार शारदेय नवरात्रि और चैत्र नवरात्रि में नौ दिन का भव्य मेला लगता है. इस वर्ष चैत्र नवरात्रि मेला लगा और अब शारदेय नवरात्रि मेला शुरू हो गया है.

भारत की सबसे सुरक्षित कार 'एक' साल की हुई

टाटा मोटर्स ने पंच की पहली सालगिरह के मौके पर पंच कैमो एडिशन लॉन्च किया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत के प्रमुख ऑटोमोटिव और नंबर #1 एसयूवी ब्राण्ड (बिक्री के संदर्भ में) टाटा मोटर्स ने आज अपने नये और जोशीले ब्राण्ड टाटा पंच का कैमो एडिशन लॉन्च किया है। त्?यौहारों के सीजन में जोरदार शुरूआत करते हुए, यह एडिशन एक आकर्षक कलर थीम और अनगिनत फीचर्स की पेशकश करता है। यह एडवेंचर और अकम्पलिश्ड शख्सियतों वाले रिदम और डैज़ल पैक्स में उपलब्ध होगा। टाटा पंच कैमो की पेशकश 6.85 लाख रूपये के शुरूआती मूल्य पर की जाएगी (एक्स–शोरूम नई दिल्ली) और टाटा मोटर्स की सभी अधिकृत डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी।

टाटा पंच कैमो एडिशन बाहर से बिलकुल नये और आकर्षक फोलियेज ग्रीन कलर में आएगा और इसमें ड्यूअल-टोन रूफ कलर ऑप्शंस होंगे (पियानो ब्लैक और प्रिस्टिन व्हाइट)। इसके साथ ही पंच अब रंगों के नौ विकल्पों के तरोताजा मिश्रण में उपलब्ध होगी। कैमो एडिशन के इंटीरियर्स में अनोखा मिलिट्री ग्रीन कलर होगा और सीट की व्यवस्था छद्मावरण वाली होगी। इस कार के फेन्डर्स पर आकर्षक कैमो बैजिंग है और यह एमटी तथा एएमटी, दोनों ट्रांसमिशंस में उपलब्ध होगी। इनके अलावा, यह कार कई फीचर्स से सुसज्जित है, जैसे 6 स्पीकर्स वाले एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले के साथ 7 इंच हरमन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 16-इंच चारकोल डायमण्ड-कट अलॉय व्हील्स और एक रिवर्स पार्किंग कैमरा। कैमो एडिशन से जुड़ी दूसरी दिलचस्प चीजें हैं, एलईडी डीआरएल और टेल लैम्प्स, पुश स्टार्ट/ स्टॉप बटन, क्रूज़ कंट्रोल और फ्रंट फॉग लैम्प्स।

इस लॉन्च पर बात करते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड में सेल्स, मार्केटिंग एवं कस्टमर सपोर्ट के वाइस प्रेसिडेंट श्री राजन अम्बा ने कहा, 'अपने पोर्टफोलियो को 'न्यू फॉरएवर' रखने के अपने ब्राण्ड के वादे के अनुसार हम पंच लाइन-अप में कैमो एडिशन की पेशकश करते हुए काफी खुश हैं। यह नया संकलन टाटा पंच की बिक्री को और भी बढ़ाएगा और वृद्धि की गति को आगे लेकर जाएगा। पंच को उसके आकर्षक डिजाइन, बहुआयामी और रोचक प्रदर्शन,

काफी जगह वाले इंटीरियर्स और पूरी सुरक्षा के कारण तारीफ मिली है और यह हमारे पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका हमारे यात्री वाहनों की कुल बिक्री में 24% योगदान है।

रहन-सहन लागत बढ़ने के कारण अर्थशास्त्रियों ने जतायी वैश्विक मंदी की आशंकाः सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। एजेंसी

ऊंची महंगाई और वास्तविक मजदूरी में लगातार गिरावट के कारण वैश्विक मंदी की आशंका बढ़ी है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने दुनियाभर के मुख्य अर्थशास्त्रियों के बीच किये गये एक सर्वे के आधार पर बुधवार को यह निष्कर्ष निकाला है। डब्ल्यूईएफ मुख्य अर्थशास्त्री परिदृश्य रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में कामगारों की वास्तविक मजदूरी दुनियाभर में घटने की आशंका है। दूसरी तरफ रहन-सहन की लागत बढ़ रही है। इससे सामाजिक असंतोष बढ़ने का खतरा है। हालांकि, अगले साल मुद्रास्फीतिक दबाव कम होने की उम्मीद है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि अगले तीन साल में दुनिया के बड़े हिस्से में खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। रिपोर्ट में निर्यात प्रतिबंधों के कारण खाद्य सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं का जिक्र करते हुए कहा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक भारत ने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही अन्य किस्म के चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है। ये कदम वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करते हैं। इसमें कहा गया है, ''वर्ष 2022 में चावल की कीमतों की स्थिरता के कारण पूर्ण रूप से वैश्विक खाद्य संकट उत्पन्न नहीं हुआ। अब चावल की ऊंची कीमतों से स्थिति बिगड़ने का जोखिम है।'' सर्वेक्षण में वित्त, बीमा, पेशेवर सेवाओं और प्रौद्योगिकी उद्योगों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संगठनों और क्षेत्रीय विकास बैंकों के 50 से अधिक अर्थशास्त्री शामिल हुए।

सर्वेक्षण में अर्थशास्त्रियों ने इस साल और अगले साल आर्थिक वृद्धि दर नरम पड़ने, ऊंची मुद्रास्फीति और वास्तविक मजदूरी में लगातार गिरावट की आशंका जतायी है। दस में से औसतन सात अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक मंदी की आशंका जतायी है। इनका मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की संभावनाएं पिछले कुछ महीने में कमजोर पड़ी हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, दस में से नौ अर्थशास्त्रियों ने 2023 में यूरोप में वृद्धि दर कमजोर रहने की आशंका जतायी है। वहीं पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र, अमेरिका, दक्षिण एशिया और लातिनी अमेरिका में वृद्धि दर हल्की रहने की उम्मीद है।

भारतीय खुदरा आभूषण बाजार में श्रृंखला स्टोरों की हिस्सेदारी पांच साल में 40 प्रतिशत होगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय खुदरा आभूषण बाजार में खुदरा स्टोर श्रृंखलाओं की बाजार हिस्सेदारी अगले पांच वर्षों में बढ़कर 40 प्रतिशत होने की उम्मीद है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले तक आभूषण स्टोरों की श्रृंखला (चेन) की भारतीय खुदरा आभूषण बाजार में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।शीर्ष पांच खुदरा विक्रेताओं के अगले पांच वर्षों में 800-1,000 स्टोर खोलने की संभावना है। डब्ल्यूजीसी ने 'आभूषण बाजार संरचना' शीर्षक की एक रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में पिछले कुछ वर्षों में देश के सोने के आभूषण बाजार के बदलाव पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उद्योग छितरा हुआ है ऐसे में भारत में ज्वेलर्स की संख्या सटीक अनुमान लगाना असंभव है। विभिन्न व्यापार निकायों अनुमान 5,00,000 से 6,00,000 के बीच का है जिसमें

काफी अंतर है। डब्ल्यूजीसी ने कहा, ''बेहतर डिजाइन और उपभोक्ता अनुभव की मांग, हॉलमार्किंग के बारे में बढ़ती जागरूकता, बेहतर मूल्य निर्धारण संरचनाओं और प्रतिस्पर्धी रिटर्न नीतियों के साथ-साथ जीएसटी और नोटबंदी की वजह से खुदरा स्टोर श्रृंखलाओं की ओर रुझान बढ़ा है। इसने आगे कहा कि छोटे स्वतंत्र खुदरा विक्रेता अभी भी परिदृश्य पर हावी हैं। पिछले एक दशक में चेन स्टोर (राष्ट्रीय और क्षेत्रीय) की बाजार हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है। रिपोर्ट में डब्ल्यूजीसी के भारत के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सोमसुंदरम पीआर ने कहा, ''भारतीय खुदरा आभूषण बाजार में पिछले एक दशक में कई संरचनात्मक परिवर्तन हुए हैं। ये कुछ नियमों और कुछ उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से प्रेरित हैं।'' रिपोर्ट के अनुसार, श्रृंखला स्टोर पिछले 10-15 वर्षों में बढ़े हैं। इसने 2021 तक 35 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

टाटा मोटर्स ने योद्धा 2.0, इंट्रा वी20 बाइ-फ्यूल और इंट्रा वी50 को लॉन्च किया

पिकअप्स की श्रेणी में नए मानक स्थापित किये, देशभर में ग्राहकों को 750 नये पिकअप्?स की आपूर्ति की

हैदराबाद।आईपीटी नेटवर्क

भारत में वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने आज योद्धा 2.0, इंट्रा वी20 बाइ-फ्यूल और इंट्रा वी50 को लॉन्च किया। कंपनी ने इन उत्पादों की पेशकश के साथ ही देश के तेजी से बढ़ रहे पिकअप सेगमेंट में नए मानक स्थापित किये हैं। यह मजबूत और शानदार पिकअप्स एकदम नई बोल्ड डिजाइन में उतारे गए हैं। ये नए वाहन भार उठाने की सबसे ज्यादा क्षमता, डेक की सबसे ज्यादा लंबाई और सबसे लंबी रेंज की पेशकश करते हैं। इनमें सुरक्षित और आरामदायक ड्राइव के लिये जरूरी कई आधुनिक फीचर्स मौजूद हैं। नये योद्धा 2.0, इंट्रा वी20 बाइ-फ्यूल और इंट्रा वी50 को शहरों एवं गांवों में अलग-अलग तरह की जरूरतों में इस्तेमाल करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये पिकअप्स तेजी से बढ़ रहे कृषि, पोल्ट्री और डेयरी सेक्टर्स की मोबिलिटी जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम आदर्श वाहन हैं। इनका इस्तेमाल एफएमसीजी, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर्स की लगातार बढ़ रही डिलीवरी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी किया जा सकता है। ये सभी पिकअप्स अपनी कैटेगरी में स्वामित्व की न्यूनतम लागत पेश करते हैं, ताकि ग्राहक ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाई कर सकें। टाटा मोटर्स ने भारत के सर्वश्रेष्ठ पिकअप्स के लॉन्च को यादगार बनाने के लिये देशभर में ग्राहकों को इनकी 750 यूनिट्स की आपूर्ति की हैं।

पिकअप्स की नई श्रृंखला को लॉन्च करते हुए, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री गिरीश वाघ ने कहा, 'हमारे छोटे वाणिज्यिक वाहन लाखों ग्राहकों को आजीविका देने और और उन्हें सफल बनाने के लिये जाने जाते हैं। ग्राहक अपने कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं और एक बेहतर जीवन जीने की चाहत रखते हैं, ऐसे में उन्हें हमारी पिकअप्स की नई श्रृंखला में एकदम उपयुक्त साथी मिलेगा। इन वाहनों को उनकी लगातार बदल रही आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये विशेष रूप से साथ मिलकर विकसित किया गया है। इन पिकअप्स के हर पहलू की इंजीनियरिंग बारीकी से की गई है, जिससे ये शहरों, गांवों और उपनगरों में मोबिलिटी की अलग-अलग जरूरतों को पूरी दक्षता से पूरा कर सकते हैं। इनका डिजाइन नया और बोल्ड है और यह भारी कार्गो के लिये सबसे ज्यादा पेलोड क्षमता की पेशकश करते हैं। भारी सामानों को उठाने के लिए सबसे लंबी डेक लेंथ के साथ आते हैं। इनका पावर-टू- वेट रेशियो सबसे अधिक हैं, अधिकतम दूरी तय करने के लिये इनकी रेंज सबसे लंबी है और तनाव-मुक्त ड्राइविंग के लिये यह पिकअप्स सुरक्षा और सुविधा के आधुनिक फीचर्स की पेशकश करते हैं। सुदूर जगहों तक पहुँचने की इनकी क्षमता और डीलरों तथा सर्विस के लिये भारत के सबसे बड़े नेटवर्क के सहयोग से, हमारे पिकअप्स की व्यापक श्रृंखला जिस मूल्य प्रस्ताव की पेशकश करती हैं, वो बेजोड़ है। नये जमाने के इन पिकअप्स की पेशकश ग्राहकों को हमेशा श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ वाहनों से सशक्त करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है। ये वाहन उन्हें आगे बढ़ने और कामयाबी दिलाने में मदद करते हैं।'

ऊपरी तौर से स्वस्थ नौजवानों में हार्ट अटैक एक गहन चिंता का विषयः डॉ. जैन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

गत वर्षों में यह देखने में आया है कि ऊपरी तौर से स्वस्थ नौजवानों, खासतौर पर कीर्ति प्राप्त लोगों में हार्ट अटैक की संभावना काफी बढ़ी है, जिसके चलते वे अकाल मृत्यु को प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार की घटनाएं बहुत बड़ी चिंता का विषय है। इसका कारण क्या हो सकता है?? दूसरा प्रश्न दिमाग में यह आता है कि क्या ऊपरी तौर से स्वस्थ दिखने वाले नौजवानों को हार्ट अटैक आना वाकई मेडिकली स्वस्थ है?? इसका उत्तर है 'न'....

यह बात शहर के जाने-माने सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. राकेश जैन, महावीर हार्ट क्लिनिक तथा डायग्नोस्टिक सेंटर, गीता भवन ने विश्व हृदय दिवस के मौके पर कही है। दिल की बिमारियों के कारण पूरे विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 17 मिलियन लोगों की जान चली जाती है, जो कि कुल मृत्यु दर का 31ङ्ग हिस्सा है। दिल की बिमारियों में सबसे प्रमुख, दिल की नसों में ब्लॉकेज तथा हार्ट अटैक का आना होता है। आजकल नौजवानों (उम्र 45 वर्ष से कम) खासतौर पर भारतीयों में इसका प्रसार काफी तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी अनुपातिक प्रधानता 10-15ङ्ग है। डॉ. जैन ने बताया कि हार्ट अटैक के प्रमुख कारण- अधिक उम्र, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा तथा असंतुलित दिनचर्या आदि हैं, जो कि 85-90ङ्ग तक हार्ट अटैक के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा धूम्रपान भी नौजवानों में हार्ट अटैक के लिए एक मुख्य कारक है। नौजवान भारतीयों (उम्र 45 वर्ष से कम) में धूम्रपान की प्रवृत्ति 60-90ङ्ग तक है, जो कि 45 वर्ष से ज्यादा वर्ष के लोगों से लगभग दोगुना है। धूम्रपान, खासतौर पर पारम्परिक, वंशानुगत तथा वातावरण संबंधी कारकों की उपस्थिति भविष्य में नौजवानों के भीतर हार्ट अटैक की संभावना को प्रबल करती है। धूम्रपान तथा मोटापे के कारण हार्ट अटैक के बाद इससे उबरने में भी काफी परेशानी होती है, इसके साथ ही परिणाम भी विपरीत होते हैं।

एक संतुलित जीवनचर्या, अच्छी नींद, ऐरोबिक, शारीरिक व्यायाम (प्रतिदिन लगभग 45 मिनट), हरी सब्जियाँ तथा फलों का सेवन, बाहरी असंतुलित खाने का त्याग, धूम्रपान का त्याग, इत्यादि दिल की बिमारियों से बचने के सबसे सीधे तथा सरल तरीके हैं। यदि आप किसी बीमारी, जैसे- मधुमेह, ब्लड प्रेशर इत्यादि से ग्रसित हैं, तो आपने डॉक्टर की नियमित निगरानी में दवाइयों का सेवन करें। अपने दिल के स्वास्थ्य को जानने के लिए इसके नियमित चेकअप हेतु अपने हृदय रोग विशेषज्ञ के सम्पर्क में रहे, और संबंधित सलाह का पालन करें।

कर्मचारियों को उपलब्ध कराने में सहायता कर रहा है इनडीड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

पिछले कुछ वर्ष एसएमबी के लिए चुनौतीपूर्ण रहे हैं इनमें से ज्यादातर एसएमबी ने महामारी के इस दौर के समय में अपने आप को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिए अच्छा काम किया है यहां पर समस्या यह है कि एसएमबी न केवल अपने स्तर के बिजनेस बल्कि अपने पास उचित प्रतिभा को काम देने के लिए भी बड़े बिजनेस के साथ लगातार प्रतिस्पर्धा में हैं डिजिटलीकरण के युग में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने के लिए, एक कुशल कार्यबल समय की आवश्यकता है, जिससे एसएमबी के लिए अपनी बेहद जरूरी विकास यात्रा के लिए सही प्रतिभा को नियुक्त करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

निशिता लालवानी, निदेशक, इनडीड भारत एंड एसईए ने कहा हमारा अभियान एसएमबी के लिए केंद्रित है जोकि भारत की अर्थव्यवस्था को ऊंचाई पर पहुंचाने में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं इस अभियान में तीन फिल्में दिखाई जाएंगी जिनके माध्यम से कंपनियों को कर्मचारियों को काम पर रखने में आने वाली समस्याओं का समाधान प्राप्त होगा इनडीड का उद्देश्य भारत में एसएमबी के लिए भर्ती प्रक्रिया को आसान बनाना है ताकि इन कंपनियों को अपने बिजनेस के लिए सही प्रतिभा प्राप्त करने में सहायता मिल सके और इसके लिए इनडीड लगातार इनोवेशन कर रहा है।

सूरज आर पिल्लई वरिष्ठ रचनात्मक निदेशक,डीडीबी मुद्रा ने कहा आज भी हमारे देश में छोटे एवं मध्यम वर्ग के व्यवसाय में भर्ती प्रक्रिया मुख्य रूप से व्यक्तिगत रेफरल पर आधारित है। परंतु यह एक बहुत बड़ी समस्या को जन्म देता है क्योंकि ज्यादातर मालिक औसत दर्जे के कर्मचारियों को नियुक्त करते हैं जिससे व्यवसाय को आगे चलकर नुकसान उठाना पड़ता है। इस अभियान के माध्यम से एसएमबी के मालिकों को एक उचित मंच प्रदान करके उन्हें बिल्कुल सही कर्मचारियों तक पहुंच प्रदान करना है इसलिए हम एसएमबी के मालिकों को इस मंच की सदस्यता प्राप्त करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

नेस्ले सेरेग्रो ने किया अपने पोर्टफोलियो का विस्तार

पारम्परिक अवयवों से प्रेरित सेरेग्रो ग्रेन सलेक्षन का किया लॉन्च

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भोजन की क्षमता के साथ कुछ नया करने की नेस्ले इंडिया की प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए नेस्ले सेरेग्रो ने नए सब-ब्राण्ड सेरेग्रो ग्रेन सलेक्षन के लॉन्च के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। पारम्परिक अवयवों से प्रेरित इस रेंज का पहला प्रोडक्ट पौश्टिक सीरियल है। रागी, फलों और घी से बने इस प्रोडक्ट को खासतौर पर बहुत छोटे बच्चों के लिए तैयार किया गया है।

इस लॉन्च के अवसर पर विनीत सिंह, हैड, न्यूट्रिषन बिज़नेस, नेस्ले इंडिया ने कहा, ''महामारी के बाद, अभिभावक अपने बच्चों के आहार में पारम्परिक अवयवों और रेसिपियों को ज़्यादा महत्व देने लगे हैं, वे अपने बच्चों के लिए ऐसा भोजन चाहते हैं जो उन्हें पूरा पोशण दे। दूध और फलों से भरपूर नेस्ले का सेरेग्रो मल्टीग्रेन सीरियल हाल ही पेष किए गए हमारे सबसे सफल प्रोडक्ट्स में से एक है जो 'पूरा पोशण, पूरी तसल्ली' का वादा करता है। हमारा मानना है कि रागी, मिले-जुले फलों और घी से बना नया सेरेग्रो ग्रेन सलेक्षन छोटे बच्चों की माताओं को खूब पसंद आएगा। वे बड़ी आसानी से अपने बच्चे के आहार में सेहतमंद, पौश्टिक और स्वादिश्ट पारम्परिक अवयवों को 'ामिल कर सकेंगी।'' मिलेट्स (बाजरा, जौ, ज्वार आदि) भारत में भोजन का मुख्य अवयव रहे हैं। सेरेग्रो ग्रेन सलेक्षन इन्हीं पारम्परिक मिलेट्स से तैयार किया गया है। रागी, फलों और घी के गुणों से भरपूर नया सेरेग्रो ग्रेन सलेक्षन देष भर में सभी प्रमुख रीटेल एवं ऑनलाईन स्टोर्स पर उपलब्ध होगा। सेहत से भरपूर मिलेट्स को बढ़ावा देने और आम लोगों को पौश्टिक आहार के बारे में जागरुक बनाने के लिए साल 2023 को इंटरनेषनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोशित किया गया है। पिछले 4000 सालों से बोए जा रहे रागी जैसे मिलेट्स (जैसे नाचनी, मंदुआ और केप्पाई) को उगाने के लिए कम पानी की ज़रूरत होती है, ये सेहत के साथ-साथ कृशि के लिए भी फायदेमंद हैं।

देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है दुनिया भर में प्रतिभाशाली और कुशल भारतीयों की बढ़ती हुई मांग है- श्री राजीव चंद्रशेखर

एआई, आईओटी, बिगडाटा और कोडिंग जैसी उभरती टेक्नोलॉजी में युवा भारतीयों को सशक्त बनाने के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल्स पार्टनर्स के माध्यम से स्किल इंडिया ने सैमसंग के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। सरकार की स्किल इंडिया पहल के हिस्से के रूप में, इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) ने आज सैमसंग इंडिया के साथ एक स्किलिंग इनिशिएटिव के लिए एक एमओयू साइन किया, जिसका उद्देश्य उभरती टेक्नोलॉजी डोमेन्स में इन्डस्ट्री रेलेवेन्ट स्किल्स के साथ युवाओं को उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना है। प्रोग्राम, 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' का उद्देश्य फ्यूचर टेक्नोलॉजीज़ जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा और कोडिंग और प्रोग्रामिंग में 18-25 वर्ष की आयु के 3,000 से अधिक बेरोजगार युवाओं को आगे बढ़ाना है। ईएसएससीआई जो राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा अनुमोदित की गई एन्टिटी है, अपने अनुमोदित प्रशिक्षण और एजुकेशन पार्टनर्स के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से प्रोग्राम को क्रियान्वित करेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी और कौशल विकास राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर, ने कहा, 'स्किलिंग केवल युवाओं को रोजगार योग्य स्किल्स से लैस करने के बारे में नहीं होनी चाहिए, बल्कि रोजगार और रोजगार के गेटवे के रूप में उनके पासपोर्ट टू प्रोस्पैरिटी के रूप में कार्य करनी चाहिए। जितनी अधिक रोजगारोन्मुखी स्किलिंग होगी, यह छात्रों और युवा भारतीयों के लिए उतनी ही अधिक आकांक्षी होगी।'

उन्होंने कहा कि स्किलिंग पर सरकार का जोर तेजी से डिजिटाइज्ड दुनिया में अवसरों को तैयार करने और भारत को टैलेंट पूल बनाने पर रहा है। उन्होंने कहा, 'देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है बल्कि दुनिया भर में प्रतिभाशाली और कुशल भारतीयों की मांग बढ़ रही है।' राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और मंत्रालय से स्थायी समाधान के लिए इन्डस्ट्री और स्किलिंग ईकोसिस्टम के बीच घनिष्ठ भागीदारी विकसित करने की योजना बनाने का आग्रह किया।

भारत को 2030 तक ईवी लिथियम आयन बैटरी के लिए 10 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत को वर्ष 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए लिथियम आयन बैटरी की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए लगभग 10 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। प्रबंधन परामर्श कंपनी आर्थर डी लिटिल की रिपोर्ट के अनुसार, इस मांग को पूरा करने के लिए सेल विनिर्माण और कच्चे माल के शोधन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भारत में लिथियम-आयन बैटरी की मांग वर्तमान में तीन गीगावॉट घंटा (जीडब्ल्यूएच) है और इसके 2026 तक 20 और 2030 तक 70 गीगावॉट घंटा तक बढ़ने की संभावना है। खान मंत्रालय की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि वर्तमान में भारत अपनी लिथियम-आयन बैटरी की आवश्यकता का लगभग 70 प्रतिशत चीन और हांगकांग से आयात करता है। रिपोर्ट में कहा गया, ''वर्ष 2030 तक लिथियम-आयन बैटरी की स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए भारत को कच्चे माल की शोधन क्षमताओं में अतिरिक्त निवेश के साथ सेल विनिर्माण क्षमता में अनुमानित 10 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी।'' रिपोर्ट के अनुसार, इस निवेश से बैटरी विनिर्माण और संबंधित सहायक व्यवसायों और सेवाओं में दस लाख या उससे अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।